6/8/25	पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी उप० नहीं। बार-बार सांय के 5 बजे तक आवाज लगाई गई। सांय के 05 बजे तक न तो वादी का ही वादी/वकील और न ही वादी की ओर से कोई उपस्थित आया। ऐसी स्थिति में इस प्रार्थना पत्र के अन्तर्गत न्यायहित में डी० व प्रार्थना पत्र को अदम हाजिरी अदम पैरवी में खारिज किया जाता है। पत्रावली पेश नत्थी मुताबिक नम्बर से दाखिल पत्रावली [illegible] नजारत से [illegible]